नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

फर्जी विवाह की आड़ में मानव तस्करी का नेटवर्क बेनकाब

1 तीन लाख में किया नाबालिग का सौदा

2 उम्र बदलकर करवाई जाती थी बड़े घरों में शादी

3 कई राज्यों से नेटवर्क जुड़े होने की संभावना, जांच जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर, 3 अगस्त. नाबालिग लड़कियों की खरीद फरोख्त कर फर्जी शादियां कराने वाले संगठित गिरोह का इंदौर पुलिस ने पर्दाफाश किया है. बाणगंगा पुलिस ने अपहरण के एक प्रकरण की विवेचना के दौरान गिरोह के मास्टरमाइंड सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

जांच में सामने आया है कि गिरोह ने एक नाबालिग का करीब तीन लाख रुपए में सौदा कर उसके पहचान दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा किया और उसे बालिग बताकर रतलाम में शादी करा दी. गिरोह आर्थिक रूप से कमजोर और मजबूर परिवारों को निशाना बनाता था. नाबालिग लड़कियों को अधिक पैसा, बेहतर भविष्य और मकान दिलाने जैसे प्रलोभन देकर झांसे में लिया जाता था. इसके बाद उनके पहचान संबंधी दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर उम्र बढ़ाई जाती थी और गिरोह के सदस्य स्वयं को परिजन बताकर विवाह की पूरी प्रक्रिया पूरी कराते थे. इस मामले में भी नाबालिग का आधार कार्ड बदलकर उसे बालिग दर्शाया गया और करीब तीन लाख रुपए में उसका विवाह कराया. मुख्य षड्यंत्रकर्ता संजू उर्फ संजय यादव निवासी मुसाखेड़ी, रामविलास उर्फ राकेश यादव निवासी वृंदावन कॉलोनी, रतलाम जिले के बड़ावदा निवासी दूल्हा संजु पाटीदार तथा उसके पिता नंदराम पाटीदार को गिरफ्तार किया है. गिरोह के अन्य सदस्य सोनू बंजारा, किशोर चौहान, कच्छूलाल गुर्जर, लालसिंह गुर्जर और बाबू दादा की तलाश की जा रही है.

ऐसे खुला फर्जी शादी और मानव तस्करी का रैकेट..

नाबालिग बालिका के लापता होने पर उसकी मां ने बाणगंगा थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी तक पहुंच बनाई. पुलिस की सक्रियता बढ़ने पर आरोपी पीड़िता को वापस इंदौर छोड़ गए. इसके बाद पीड़िता ने अपनी मां और पुलिस को पूरी घटना बताई. बयान, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद पुलिस ने फर्जी शादी और मानव तस्करी के संगठित नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

तिजोरी ले उड़े चोर, 4 करोड़ की चोरी होने का दावा

नवभारत न्यूज

गुना, 3 अगस्त. जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के दिरोली गांव में बेखौफ बदमाशों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया. बदमाशों ने पंचायत सचिव के परिवार के घर में सेंध लगाकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी से भरी तिजोरी ही पार कर दी. पीड़ित परिवार ने चोरी हुए सामान की कीमत करीब साढ़े 4 करोड़ रुपये बताई है.

जानकारी के अनुसार दिरोली निवासी बाबूलाल मीना का परिवार रोज की तरह रात करीब 11 बजे सो गया था. इसी दौरान रात ढाई बजे से सुबह 4 बजे के बीच बदमाशों ने घर की लोहे की खिड़की के सरिये काटकर अंदर प्रवेश किया. इसके बाद घर में रखी भारी तिजोरी उठाकर फरार हो गए.सुबह करीब 4:45 बजे जब परिजनों की नींद खुली तो घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद मिला. आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा खुलवाने के बाद अंदर जाकर देखा गया तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और तिजोरी गायब थी. तिजोरी में करीब ढाई किलो सोना, 3 किलो चांदी और 12 लाख रुपये नकद रखे थे. परिवार ने इसकी कुल कीमत करीब साढ़े 4 करोड़ रुपये बताई है.

ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में गिरिबाला हाईकोर्ट की शरण में

जबलपुर, 3 अगस्त. भोपाल की पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिवाला सिंह ने जमानत के लिए हाईकोर्ट की शरण ली है. उनकी तरफ से दायर जमानत याचिका में उम्र तथा स्वास्थ्य के अलावा प्रकरण में उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं होने के हवाला दिया गया है.

गौरतलब है कि भोपाल की पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश गिरीवाला सिंह की बहू ट्विसा शर्मा ने 12 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. पुलिस ने गिरीवाला तथा उसके बेटे के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था. पूर्व न्यायाधीश को प्रकरण में अग्रिम जमानत का लाभ मिल गया था. अग्रिम जमानत मिलने के खिलाफ हाईकोर्ट ने याचिका दायर की थी. इसके अलावा मृतिका को दुबारा पोस्टमार्टम करवाने जाने की मांग करते हुए भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी. हाई कोर्ट ने दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की टीम से दोबारा पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिये थे. हाईकोर्ट ने पूर्व न्यायाधिष को मिली अग्रिम जमानत को निरस्त कर दिया था. सरकार के द्वारा प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंप दी गयी थी. सीबीआई के द्वारा पूर्व जिला व सत्र न्यायाधिष को गिरफतार किया गया था और पूछताछ के बाद न्यायालय के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया था. .

भिंड में पदस्थ एएसआई ने शासकीय क्वार्टर में लगाया फंदा, मौत

भिंड, 3 अगस्त. जिले में पदस्थ एक सहायक उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह जादौन के अपने शासकीय क्वार्टर में फंदा लगाकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. घटना का खुलासा तब हुआ जब एएसआई समय पर अपनी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे.

साथी जवानों द्वारा उनके निवास पर जाकर खिड़की से देखने पर वह गमछे के फंदे से लटके मिले. इस दर्दनाक घटना के बाद से पुलिस महकमे में शोक और हड़कंप का माहौल है. परिजनों को सूचित कर दिया गया है तथा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है.

एएसआई देवेंद्र सिंह जादौन आयु 48 वर्ष रोजाना की तरह अपनी ड्यूटी पर तैनात होने वाले थे. जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वे ड्यूटी पॉइंट पर नहीं पहुंचे और न ही उनका कोई संपर्क हो पा रहा था, तब साथी जवानों को किसी अनहोनी का संदेह हुआ. इसके बाद जब पुलिस जवान उनके शासकीय आवास पहुंचे, तो दरवाजा अंदर से बंद था. जवानों ने खिड़की के जरिए भीतर झांककर देखा तो एएसआई कमरे में गमछे से बने फंदे पर लटके हुए थे. यह दृश्य देखते ही जवानों के होश उड़ गए.

सांसद राहुल सिंह ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

दमोह. दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने सोमवार को संसद भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की. इस दौरान उन्होंने समसामयिक विषयों पर चर्चा कर केंद्रीय मंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया.

एक नजर में

नौ वर्षों बाद सितंबर में होंगे छात्रसंघ चुनाव

जबलपुर. प्रदेश में नौ साल बाद छात्र संघ चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगलपीठ के समक्ष पूर्व आदेश के परिपालन में सरकार की ओर से बताया गया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 का अकादमिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है जिसमें सितंबर 2026 के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ गठन की प्रक्रिया संपन्न कराने का प्रावधान किया गया है। अकादमिक कैलेंडर के अनुरूप सितंबर 2026 में छात्रसंघ गठन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए.

नई तकनीकें ही किसानों की समृद्धि का नया द्वार

बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को सीएम ने वीसी के माध्यम से किया संबोधित

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 3 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती की नई तकनीकें ही किसानों की समृद्धि का नया द्वार हैं. किसान जितना अधिक नई तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आय उतनी ही बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में उद्यानिकी फसलों का उत्पादन बढ़ता जा रहा है. बागवानी फसलों के विकास एवं विस्तार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश का पहला पुरस्कार मप्र को मिला है. यह हमारी सरकार की किसानों

की जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले की प्राकृतिक सम्पदा, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश किसानों की सराहना करते हुए कहा कि जिस धरती को सूर्यपुत्री मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त हो, वहां की उर्वरता और कृषि उत्पादन का कोई मुकाबला नहीं है. उन्होंने कहा कि यह किसानों का अपना कार्यक्रम है. किसान कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है.

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि मूंग उत्पादक किसानों की मांग को देखते हुए उपार्जन के लिए पात्र किसानों की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है. हम किसानों की 60 प्रतिशत मूंग खरीदेंगे. स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त तक बढ़ा दी गई है. किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था को भी हमने तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य के साथ बोनस देकर गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है.

दतिया उपचुनाव के बीच डॉ. नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान

मेरी राजनीति का पटाक्षेप हो गया अब किसी पद की इच्छा नहीं

नवभारत न्यूज

दतिया, 3 अगस्त. विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के बीच मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है. एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा का पटाक्षेप हो चुका है और अब उन्हें किसी भी पद की कोई इच्छा नहीं है.

डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा का टिकट मांगा था.

उनकी इच्छा केवल विधानसभा चुनाव लड़ने की थी, लेकिन पार्टी ने प्रत्याशी बदल दिया. उन्होंने कहा कि अब वे एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पार्टी की सेवा करते रहेंगे.

प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम पर चला बुलडोजर

इंदौर. महाराणा प्रताप नगर स्थित प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद सोमवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरे वृद्धाश्रम को जमींदोज कर दिया. प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने सुबह करीब 10 बजे परिसर खाली कराया और जेसीबी बुलडोजर की मदद से कथित अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया. इस कार्रवाई को हाल ही में वायरल हुए वीडियो के बाद प्रशासन की सबसे सख्त कार्रवाई माना जा रहा है. कार्रवाई एसडीएम निधि वर्मा के नेतृत्व में की गई, सबसे पहले आश्रम में रखा पूरा सामान बाहर निकलवाया, इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों और नगर निगम की मौजूदगी में पूरे परिसर को खाली कराकर निर्माण गिरा दिया. कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई. कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक नाबालिग आश्रम में रह रहे बुजुर्गों की डंडे से बेरहमी से पिटाई करता दिखाई दिया था. वीडियो सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में आया और कलेक्टर शिवम वर्मा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए वृद्धाश्रम खाली कराने के निर्देश दिए थे.

25 लाख के जेवर चोरी करने वाली गैंग पर शिकंजा

इंदौर. शेयरिंग रिक्शा में महिला की अटैची से 25 लाख रुपए के जेवर चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने गिरोह की हिस्ट्रीशीट खोल दी है. रेलवे स्टेशन से शेयरिंग रिक्शा में बैठी खुशबू की अटैची से जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने मेहबूब पिता अब्दुल हमीन निवासी बिजनौर, मोहम्मद रियाज निवासी बिजनौर, कमल लोहार निवासी हातोद और जितेंद्र जोशी को गिरफ्तार किया था. पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किए गए जेवर भी बरामद हैं. जांच में सामने आया कि यह गिरोह लंबे समय से शहर में वारदातें कर रहा था.

खुलासा | लाशों के ढेर, जमीन खून से लथपथ, मोर्चरी में ही सड़ रहा शव....

हमीदिया मोर्चरी में सड़ रहे शव...मानवता हो रही शर्मसार

शव गृह की टूटी दीवार, यहीं होता है पोस्टमार्टम

साक्षी केसरवानी/प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 3 अगस्त. किसी भी व्यक्ति को मृत्यु के बाद उसके शरीर की गोपनीयता, सुरक्षा और सम्मान के साथ शरीर के निस्तारण का अधिकार होता है. लेकिन राजधानी के सबसे हाईटेक हमीदिया अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम (पीएम) के लिए आने वाले शवों के सम्मान, सुरक्षा और उनके अधिकारों का न केवल हनन हो रहा है बल्कि इंसानियत की गरिमा का भी कत्ल हो रहा है.

यहां रोजाना पोस्टमार्टम के लिए आने वाले इन शवों को बिना किसी सुरक्षा और नियमों को ध्यान में रखे यूं ही शवगृह के अंदर जमीनों पर खुला छोड़ दिया जाता है. इतना ही नहीं सूत्रों के अनुसार अस्पताल में आने वाले अज्ञात शवों को तो शवगृह के अंदर बने कुछ कमरों की खून से गंदी जमीन पर क्षत विक्षत शवों के बीच ही छोड़ दिया जाता है. शवों का पोस्टमार्टम कराने आए कुछ परिजनों ने बताया कि बॉडी को अंदर ले जाते समय उन्होंने खुद कई शवों को बिना कपड़ों के जमीन पर पड़ा हुआ देखा. जिनसे तेज बदबू और सड़न की दुर्गन्ध आ रही थी. अंदर जमीन पर कई जगह खून के सूखे और गीले धब्बे लगे हुए थे.

सफाई का नामोनिशान नहीं था. परिजनों ने बताया अंदर कुछ शव बिना कपड़ों के जमीन पर ऐसे पड़े थे, मानो ये इंसान नहीं कोई कचरे का सामान हों. सोचिए राजधानी के इतने बड़े सरकारी अस्पताल में शवों के साथ हो रही लापरवाही इतनी भयावह है तो जिला अस्पतालों को स्थिति का तो अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता. शुक्रवार शाम साढ़े तीन बजे नवभारत रिपोर्टर ने मौके पर खुद देखा कि करीब 8 से 9 साल की बच्ची का पोस्टमार्टम आने जाने वाले आम रास्ते पर हो रहा था.

लावारिस लाशों को नहीं मिलता फ्रीजर

लावारिस शवों की हालत सबसे खराब है. उन्हें फ्रीजर तक नसीब नहीं होता. सूत्रों के अनुसार रोज करीब 10 से 12 शव आते हैं. इनमें 4 से 6 अज्ञात होते हैं. जिनके लिए 2 से 3 दिन तक परिजनों का इंतजार करने के नाम पर शवों को कई बार कमरे की जमीन पर ही छोड़ दिया जाता है. इस दौरान कमरे और बॉडी पर दवा छिड़क दी जाती है ताकि बदबू बाहर न आए. वहीं परिजन न मिलने की स्थिति में 2 से 3 दिन बाद शव का पोस्टमार्टम करके अगले 72 घंटों के लिए बॉडी को खराब पड़े फ्रीजर में या फिर खुले कमरे में बॉडी बैग में करके जमीन पर ही छोड़ दिया जाता है, जहां शव सड़ने लगते हैं.

30 फ्रीजर में 6 चालू, खुले में होता है पोस्टमार्टम

बंद पड़े फ्रीजर में रखे शवों के सड़ने से गिरता मानव तरल

फ्रीजर बंद पड़े हैं शव सड़ रहे हैं

कुछ कर्मचारियों ने दबे पांव बताया कि यहां करीब 25 से 30 फ्रीजर लगे हैं. जिनमें आने वाले शवों को पोस्टमार्टम से पहले और बाद में रखा जाना चाहिए. लेकिन इनमें से केवल 4 से 6 फ्रीजर ही काम करते हैं और वो भी कई बार चलते चलते बंद हो जाते हैं. जिसके कारण फ्रीजर में रखे शव उसमें ही डीकंपोज (सड़ने) होने लगते हैं.

क्या कहता है नियम...?

किसी भी ज्ञात या अज्ञात शव को पूर्ण मर्यादित रूप से ही पोस्टमार्टम किया जाना चाहिए. पोस्टमार्टम के पहले और बाद में शव को 4 से 8 डिग्री सेल्सियस पर फ्रीजर में रखा जाना चाहिए. शव का पोस्टमार्टम शवगृह के अंदर ऑटोप्सी ब्लॉक में बने पूर्ण सुविधाओं और संसाधनों से लैस कमरे में होना चाहिए. कुछ केस जिनमें बहुत ही ज्यादा डिकंपोज बॉडी आती है, उसके लिए ओपन एयर एरिया में मर्यादित रूप में सुरक्षा और गोपनीयता के साथ पोस्टमार्टम किया जा सकता है.

डॉ संदीप सिंह, फॉरेंसिक विशेषज्ञ, एलएन मेडिकल कॉलेज, भोपाल

खुले में पोस्टमार्टम के लिए पड़ा शव, चिकित्सक गायब

शवगृह के बाहर ही होता है रोजाना पोस्टमार्टम

आम बातचीत में एक कर्मचारी ने बताया कि शवगृह के अंदर कही भी वेंटिलेशन की सुविधा नहीं है. जिसके कारण मजबूरन पोस्टर्माटम बाहर खुले में करना पड़ता है. अगर अंदर पीएम किया तो खुद को हैजा हो जाएगा. बिना सफाई किए एक ही स्ट्रेचर पर होता है हर शव का पीएमसूत्रों के अनुसार स्ट्रेचर की भी कमी है शव गृह में करीब 3 से 4 स्ट्रेचर ही हैं. जिस पर एक व्यक्ति का पीएम करने के बाद बिना उसकी सफाई किए अगले व्यक्ति का पीएम किया जाता है. जो नियमों के विरुद्ध है. मेडिकल गाइडलाइन के अनुसार, स्ट्रेचर से खून व तरल पदार्थ धोने के बाद 1% सोडियम हाइपोक्लोराइट घोल स्ट्रेचर पर छिड़ककर 10-15 मिनट तक गीला छोड़ते हैं ताकि रोगाणु नष्ट हों, फिर सुखाते हैं.

इन्होंने बताया...

पोस्टमार्टम के लिए आने वाली सभी बॉडी की डिग्निटी मेंनटेंन की जाती है. शवों के साथ उनकी गरिमा, सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर अगर कोई लापरवाही हो रही है तो कार्रवाई की जायेगी.

डॉ. आशीष जैन, एचओडी, फारेंसिक विभाग, हमीदिया